

अतिरिक्त व्याप्ति।

राज्य अपरीक्षक / अंजल श्रीहर एवं अंजल अमीन
का जॉय प्रवेदन प्राप्त हुआ। जॉय प्रवेदन के अनुसार "मौजा
मिलदिलीगा छुट में जाकर राज्य बागवत एवं नक्का का
मिलावट करके अंजल अमीन के पास स्थलीय जॉय दिया। जॉय में
पाया कि गैरमजबूत खास खाता नं- 10 प्लॉट- 81/A रुकवा-
1.20 ए० पर रुक फव सिद्धि S/O स्व विद्या सिंह के द्वारा जॉय बंद
दिया जा रहा है। उक्त द्वारा जॉय के दौरान वंदेवारी पत्रों
एवं निवेदन राशी प्रस्तुत किया गया है। जिससे पता चलता है कि
अंजल अमीन के वंदेवारी बाढ़ नं- 124/2002-03 के
अंतर्गत दिनांक 11/07/03 को मौजा मिलदिलीगा छुट खाता नं-
पत्र 6 के अंतर्गत रुक खाता 10, प्लॉट- 81/A रुकवा- 1.20 ए०
की वंदेवारी रुक खाता लवदव सिद्धि स्व विद्या सिंह के
नाम से हुआ है जिसका अमावसी मौजा मिलदिलीगा छुट के
मांग पत्री II के पत्र नं 76/2 पर दस दस वर्ष 2004-05
तक राशी निवेदन हो रहा है। इस प्रकार उक्त अमावसी
संदेहास्पद / अवैध प्रतीत नहीं होता है। उक्त अवैध अमावसी
बाढ़ 27/16-17 से बाहर किया जा सकता है।"

अ. राज्य अपरीक्षक / अंजल श्रीहर एवं
अंजल अमीन के द्वारा समर्थित किए गए जॉय प्रवेदन के
आलोक में अमावसी संदेहास्पद / अवैध प्रतीत नहीं होता है एवं
बाढ़ की कार्यवाही समाप्त की जाती है।
व्यक्ति एवं संवाक्ति

06/12/2024
अंजल अमीन
मंगल

06/12/2024
अंजल अमीन
मंगल

सेवा में

श्री मान अंचल पदाधिकारी महान (पलास)

विषय : - अर्ब/संदेहा-पद जमावदी केस नं. 27/16-17 का
जांच प्रतिवेदन के सम्बंध में।

महोदय

उपरोक्त विषय के संदर्भ में कहना है कि मौजा
शिलाडिलिया खुर्द में जा कर राजस्व कागजात एवं नक्का का
मिलान करके अंचल समेत के साक्षर स्थलीय जांच किया
जांच में पाया कि जमगावडा खास खासा सं. 10 ब्लॉक नं. 81/A
नक्का 1:20 एकड़ पर शुद्ध देण्ड लिह पिरा एवं विद्या सिंह के द्वारा
जोन कोड किया जा रहा है। उनके द्वारा जांच के दौरान
बन्दोबस्ती पर्चा एवं निर्गत द लिह प्रस्तुत किया गया है जिसे
परा चलता है कि भूगण्डल पदाधिकारी के बन्दोबस्ती
वाद सं. 124/2002-03 के अन्तर्गत दिनांक 11/7/03 को मौजा
शिलाडिलिया खुर्द थाना नं. 476 के अन्तर्गत खासा नं. 10 ब्लॉक नं.
81/A नक्का 1:20 एकड़ की बन्दोबस्ती एक रैमन शुद्ध देण्ड लिह
पिरा एवं विद्या सिंह के मांग के हवा है, जिसका -
जमावदी मौजा शिलाडिलिया खुर्द के मांग पंजीय के
पेज नं. 76/2 पर दर्ज है कर वर्ष 2004-05 तक ररिन्द
निर्गत हो रहा है। इस प्रकार इस जमावदी संकेदांक 96/
अर्ब प्रतीत नहीं होता है।
इस प्रकार अर्ब जमावदी वाद
27/16-17 से बाहर किया जा सकता है।

जनसूचक
डा. अमीन
5/12/2024


5/12/24
R.S.E